an>

Title: Issue regarding low capacity transformers set up under Rajiv Gandhi Rural Electrification scheme.

श्री राम कृपाल यादव (पाटलीपुत्र) : माननीय सभापति महोदय, मैं आपके प्रति आभार व्यक्त करता हूँ कि आपने बहुत ही लोक महत्व के सवाल को उठाने का अवसर प्रदान किया है। महोदय, यह बहुत सैंसिटिव मामला है। पूरे बिहार में राजीव गांधी विद्युतीकरण योजना के तहत लगभग 10 हज़ार से अधिक विद्युत ट्रांसफॉर्मर खराब पड़े हैं। इसमें लगभग 90 प्रतिशत राशि भारत सरकार देती है और 10 प्रतिशत राशि राज्य सरकार को देनी पड़ती है। महोदय, हमारे संसदीय क्षेत्र पाटलिपुत्र में कमोबेश यही हालत है। सारे के सारे ट्रांसफॉर्मर खराब पड़े हुए हैं। जब मैं क्षेत्र का भ्रमण करने जाता हूँ तो स्थानीय लोगों का कोपभाजन हमें बनना पड़ता है। ट्रांसफॉर्मर खराब पड़े हैं लेकिन बदलने के लिए कोई राशि उपलब्ध नहीं है - न राज्य सरकार के पास है, न केन्द्र सरकार के पास है। स्थिति इतनी खराब हो गई है कि आज पूरे बिहार में ट्रांसफॉर्मर खराब होने की वजह से गाँवों में अंधेरा हो गया है। उसमें पटना और पाटलिपुत्र के अलावा बक्सर तथा और इलाका भी आता है। लोगों में एकदम हाहाकार मचा हुआ है।

माननीय सभापति : आप डिमांड बताइए।

श्री राम कृपाल यादव : मैं डिमांड ही तो बता रहा हूँ, पहले मेरी वेदना सुन ली जाए। मैं छः घंटे से इसी बात को कहने के लिए बैठा हूँ, अब तो सदन भी करीब-करीब खत्म होने वाला है।

महोदय, उक्त योजना में 16 केवीए और 25 केवीए के ट्रांसफॉर्मर लगाए गए थे लेकिन लोड बढ़ने के कारण ट्रांसफॉर्मर या तो जले हुए हैं या खराब पड़े हुए हैं। जिन गाँवों में ट्रांसफॉर्मर लगे हैं, वहाँ गरीब लोग बसते हैं। गाँव के गरीब लोग जो कभी अंधेरे से उजाले में आए थे, उनको बड़ा सुनहरा अवसर मिला था। राजीव गांधी विद्युतीकरण योजना में सबसे बड़ी खामी यह है कि इस योजना में सभी जगह कम क्षमता वाले ट्रांसफार्मर लगाए गए हैं। जब गांवों में इस योजना के माध्यम से विद्युतीकरण हो रहा है तो भविष्य की ज़रूरत को देखते हुए 63 केवीए और 100 केवीए के ट्रांसफार्मर लगाने चाहिए, ताकि वह लोड सह सके। आप भी इससे सहमत होंगे। यह पूरे देश की हालत है, केवल बिहार की बात नहीं है। आप जिस क्षेत्र से आते हैं, वहां भी ऐसा ही होगा, चूंकि सभी जगह एक ही पॉलिसी है।...(व्यवधान) इस योजना के क्रियान्वयन में देश का बहुमूल्य संसाधन खर्च हुआ है, लेकिन गांव के लोगों को इससे लाभ नहीं मिल रहा है।...(व्यवधान)

माननीय सभापति : आप एक लाइन में डिमाण्ड बताइए और अपनी बात को खत्म कीजिए।

श्री राम कृपाल यादव : महोदय, मैं समाप्त कर रहा हूं। अब स्थिति यह है कि लोग यह मानने लगे हैं कि इस योजना का लाभ उन्हें नहीं मिल रहा है और यह योजना सफेद हाथी साबित हो रही है।...(व्यवधान)

माननीय सभापति : आप समाप्त नहीं कर रहे हैं।

श्री राम कृपाल यादव : महोदय, मैंने अभी अपनी डिमाण्ड नहीं की है, कृपया मुझे डिमाण्ड रखने दीजिए।

माननीय सभापति : यह डिबेट नहीं है, यह ज़ीरो ऑवर है।

श्री राम कृपाल यादव : महोदय, मैं ज़ीरो ऑवर में ही आपसे निवेदन कर रहा हूं। मैं आपसे निवेदन करना चाहता हूं कि जहां 16 केवीए और 25 केवीए के ट्रांसफार्मर लगे हुए हैं, वहां 65 केवीए और 100 केवीए का ट्रांसफार्मर लगाया जाए ताकि गांव के लोगों को विद्युत मिल सके। गांव के लोगों ने सपना देखा था कि वे भी कभी अंधेरे से उजाले में आएंगे।...(व्यवधान)

श्री अश्विनी कुमार चौबे (बक्सर) : महोदय, मैं श्री रामकृपाल जी द्वारा उठाए गए विषय के साथ स्वयं को संबद्ध करता हूं।

माननीय सभापति : निशंक जी, आप बोलिए।